दैनिक
उत्तराखण्ड प्रहरी

वर्ष 15 /अंक 30 / पृष्ठ 8
हरिद्वार, गुरुवार, 30 मार्च 2023
uttarakhandprahari19@gmail.com / e-paper: uttarakhandprahari.com
उत्तराखण्ड का सबसे विश्वसनीय मीडिया पार्टनर
RNI No. : - UTTHIN/2009/27592

मैं वंदे तैं सिद्धये नमः या देवी सर्वभूतेषु मां सिद्धिदात्री रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥

बिना अनुमति बाग में काट डाला आम का सूखा पेड़

उच्च शिक्षा में सुधार कैसे हो?

मूल्य- 2 रु.

जी 20 मुख्य विज्ञान सलाहकार गोलमेज सम्मेलन की पहली बैठक का रामनगर

उत्तराखंड में हुआ आयोजन

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

रामनगर / नैनीताल । जी-20 मुख्य विज्ञान सलाहकार गोलमेज सम्मेलन (जी-20 सीएसएआर) की पहली बैठक रामनगर, उत्तराखंड में आयोजित की गयी, जिसमें विज्ञान और प्रौद्योगिकी से जुड़े पारस्परिक हित के वैश्विक मुद्दों पर गहन चर्चा हुई। जी-20 सीएसएआर, भारत की जी-20 अध्यक्षता के तहत एक एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसका नेतृत्व भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार का कार्यालय कर रहा है। एक दिवसीय गोलमेज बैठक में निम्न विषयों पर चर्चा हुई- बेहतर रोग नियंत्रण और महामारी की बेहतर तैयारी के लिए 'वन हेल्थ' में अवसर; विशिष्ट वैज्ञानिक ज्ञान तक पहुंच का विस्तार करने के लिए वैश्विक प्रयासों का समन्वय; विज्ञान और प्रौद्योगिकी (एस एंड टी) में विविधता, समानता, समावेश और पहुंच की सुविधा तथा समावेशी, सतत और कार्य-उन्मुख वैश्विक विज्ञान और प्रौद्योगिकी नीति संवाद के लिए एक संस्थागत व्यवस्था।

"बेहतर रोग नियंत्रण और महामारी की बेहतर तैयारी के लिए 'वन हेल्थ' में अवसर" विषय के तहत, महामारी को ध्यान में रखते हुए सशक्त, अनुकूल और समय पर कार्रवाई के लिए महामारी से जुड़ी तैयारी की योजना; मनुष्यों, पशुधन और वन्य जीवन के लिए एकीकृत रोग निगरानी तंत्र, वन हेल्थ के रोगों के लिए अनुसंधान एवं विकास का रोडमैप तथा विश्लेषण में निवेश (जैसे रोग मॉडलिंग, एआई/एमएल उपकरण) और डेटा मानक आदि पर चर्चा हुई।

"विशिष्ट वैज्ञानिक ज्ञान तक पहुंच का विस्तार करने के वैश्विक प्रयासों का समन्वय" विषय के तहत, निःशुल्क, तत्काल और सार्वभौमिक पहुंच सुविधा; पत्रिकाओं को ग्राहक शुल्क और उनके द्वारा लगाए जाने वाले निबंध प्रसंस्करण शुल्क को कम करना; अंतर्राष्ट्रीय ज्ञान-भण्डार/अभिलेखागार के साथ राष्ट्रीय ज्ञान-भण्डार के लिए परस्पर संचालित लिंक की स्थापना और सार्वजनिक वित्त पोषित वैज्ञानिक अनुसंधान के ज्ञान आउटपुट को व्यापक रूप से उपलब्ध कराने के लिए खुली पहुंच (ओपन एक्सेस) का कार्यादेश आदि पर चर्चा की गयी।

बैठक का तीसरा विषय था- विज्ञान और प्रौद्योगिकी (एस एंड टी) में विविधता, समानता, समावेश और पहुंच की सुविधा। भाग लेने वाले देशों ने बड़े वैज्ञानिक उद्यम तक कम-प्रतिनिधित्व प्राप्त, कम-विशेषाधिकार प्राप्त, वंचित, अल्पसंख्यक समुदायों के साथ-साथ जनजातीय/मूल समुदायों की पहुंच को सुविधाजनक बनाने के अपने प्रयासों को साझा किया। सत्र में, वैज्ञानिक सत्यापन प्रक्रिया के माध्यम से पारंपरिक ज्ञान प्रणाली (टीकेएस) को ज्ञान की औपचारिक प्रणाली में शामिल करना और भाषा विविधता की क्षमता की पहचान करना एवं वैज्ञानिक ज्ञान तक पहुंच में आने वाली बाधाओं को दूर करना आदि पर भी चर्चा की गई। चौथे सत्र में समावेशी, सतत और कार्य-उन्मुख वैश्विक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति संवाद के लिए एक संस्थागत व्यवस्था की आवश्यकता पर चर्चा हुई। इस बात पर सहमति बनी कि वैज्ञानिक सलाहकार, साक्ष्य-संचालित विज्ञान सलाह प्रदान करके नीतिगत विकल्पों को स्वरूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और सहयोग तथा संवाद की भावना के साथ, यह मुख्य विज्ञान सलाहकारों की जिम्मेदारी है कि वे अंतर्राष्ट्रीय संवाद में सहयोग करें और इसमें शामिल हों, ताकि सम्पूर्ण वैज्ञानिक उद्यम को प्रभावित करने वाले वैश्विक मुद्दों का समाधान किया जा सके एवं विज्ञान और प्रौद्योगिकी सभी को लाभ प्रदान कर सके। आज चर्चा किए गए विषयों पर विचार-विमर्श, अगस्त 2023 तक जारी रहेंगे, जब अगली बैठक निर्धारित की जाएगी। अगली बैठक में एक विज्ञान नीति विज्ञप्ति भी जारी की जाएगी। इस बैठक के बाद भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) प्रोफेसर अजय सूद; प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) कार्यालय में वैज्ञानिक सचिव डॉ. परविंदर मैनी और जी-20 सचिवालय में अवर सचिव नमन उपाध्याय ने स्थानीय मीडिया के साथ बातचीत की।

दिव्यांग बच्चों के बीच पहुंचकर मुख्यमंत्री ने किया कन्या पूजन

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

रामनगर / नैनीताल। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को गौलापार स्थित दिव्यांग बच्चों के स्कूल 'नैब' में जाकर बच्चों से मुलाकात की और उनको प्रोत्साहित किया। इस दौरान बच्चों ने भी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को स्वागत गीत सुनाया। दिव्यांग बच्चों के बीच पहुंचे मुख्यमंत्री ने नवरात्रि के मौके पर दिव्यांग बच्चों का कन्या पूजन किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जिस तरह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शारीरिक रूप से अक्षम बच्चों को दिव्यांग का नाम दिया है, वह अपने आप में प्रेरणा का काम करता है। उन्होंने कहा कि सरकार दिव्यांग जनों के लिए कार्य कर रही है। इस संस्थान को आगे बढ़ाने के लिए और अवस्थापना सुविधा के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रामनगर में हो रही चीफ साइंस एडवाइजर गोलमेज सम्मेलन को लेकर कहा कि g20 सम्मिट के लिए पूरे देश भर में महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के बीच उत्तराखंड को तीन महत्वपूर्ण आयोजनों का अवसर मिला है। उनमें आज हो रहा गोलमेज सम्मेलन बेहद महत्वपूर्ण है उन्होंने कहा कि जिस तरह उत्तराखंड में विदेशी मेहमानों का पारंपरिक तरीके से भव्य स्वागत हुआ है। उत्तराखंड की इस समृद्ध संस्कृति को पूरे विश्व में पहुंचाने का काम करेंगे।

आवश्यक सूचना

'उत्तराखंड प्रहरी' के सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि आप अपने प्रिय अखबार 'उत्तराखंड प्रहरी' महाभियान में शामिल हो सकते हैं। आप अपने द्वारा लिखी गई कोई भी संरचना, कविता, कहानी, लेख या कार्यक्रम हमसे साझा कर सकते हैं। अच्छे लेख व कहानी को 'उत्तराखंड प्रहरी' में उचित स्थान दिया जाएगा। आप अपने प्रियजनों को जन्मदिन, सालगिरह या अन्य शुभ अवसरों पर बधाई संदेश भी दे सकते हैं।

आप हमें ईमेल

uttarakhandprahari19@gmail.com या whatsup no 8077771906 पर भी भेज सकते हैं।

संपादकीय

राहुल के जरिए विपक्षी एकता

राहुल गांधी की सांसदी रद्द किए जाने के तुरंत बाद ही विपक्षी एकता के शुरुआती संकेत मिलने लगे हैं। हालांकि यह अंतिम स्थिति नहीं है और औपचारिक गठबंधन फिलहाल बहुत दूर है, लेकिन जो बदलाव सामने दिखे हैं, वे भी महत्त्वपूर्ण हैं। करीब एक साल के अंतराल के बाद तृणमूल कांग्रेस ने अपने दो सांसदों को नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की बैठक में भेजा। हालांकि तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी ने अपने संसदीय दल के नेताओं को बैठक से दूर ही रखा है, लेकिन घुटनों ने पेट की ओर मुड़ना शुरू कर दिया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री एवं 'भारत राष्ट्र समिति' (बीआरएस) के अध्यक्ष चंद्रशेखर राव की, कांग्रेस के प्रति, तल्खी और विमुखता कुछ कम हुई है। उन्हें एहसास हो गया है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) दिल्ली सरकार के 'शराब घोटाले' में उनकी बेटी कविता को फंसा सकता है, लिहाजा वह जांच एजेंसियों के पूर्वाग्रह और दुरुपयोग से अकेले नहीं लड़ पाएंगे। लोकसभा सचिवालय ने राहुल गांधी की सांसदी खत्म करने का आदेश जारी किया, तो 'आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल की प्रतिक्रिया सबसे आक्रामक थी। हालांकि माना जाता है कि कांग्रेस राजनीति में जो 'शून्य' पैदा कर रही है, 'आप' वहीं विकल्प देने की कोशिश कर रही है। कुछ महत्त्वपूर्ण सफलताएं भी मिली हैं। राहुल के मुद्दे पर केजरीवाल का मूड कुछ बदला है, लिहाजा 'आप' के नेता भी विपक्षी खेमे में दिखने लगे हैं।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी राहुल गांधी के पक्ष में बयान देते हुए लगभग वही जुबां बोली है, जो कांग्रेस और उसके सनातन विपक्षी साथी दल बोलते रहे हैं। सोमवार को नेता विपक्ष खड़गे के नेतृत्व में, काले कपड़े पहन कर, विपक्ष ने 'ब्लैक प्रोटेस्ट' किया और विजय चौक तक मार्च किया। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद सोनिया गांधी भी काली साड़ी पहन कर सडक़ पर उतरीं। खडग़े द्वारा आयोजित रात्रि-भोज में 17 विपक्षी दलों के नेताओं ने शिरकत की। साझा एहसास होने लगा है कि यदि 2024 के आम चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा को तगड़ी टक्कर देनी है, तो विपक्ष को अपने बौने मतभेद भुलाने होंगे और भविष्य की व्यापक राजनीति पर सोचना, चिंतित होना पड़ेगा। विपक्षी एकता का पहला संकेत कर्नाटक से मिल रहा है कि कांग्रेस और जद-एस के बीच अनौपचारिक गठबंधन लगभग तय है। औपचारिक मुहर बाद में लगेगी, लेकिन वे साझा तौर पर चुनाव में उतरेंगे और उम्मीदवार भी साझा होंगे। उनका आकलन है कि भाजपा को पराजित भी किया जा सकता है। बहरहाल राहुल गांधी के संदर्भ में एक महत्त्वपूर्ण फैसला लोकसभा की आवास समिति ने लिया है कि पूर्व सांसद को सरकारी बंगला 22 अप्रैल तक खाली करना होगा। राहुल गांधी 2005 से 12, तुग़लक लेन वाले बंगले में रहते हैं। चूंकि उन्हें 'ज़ेड प्लस' सुरक्षा प्राप्त है, लिहाजा नया आवास सुरक्षा की दृष्टि से भी देखना होगा और सुरक्षा बल की सलाह भी महत्त्वपूर्ण होगी। दूसरे संकेत चुनाव आयोग से आ रहे हैं कि वह राहुल गांधी की खाली लोकसभा सीट-वॉयनाड-में उपचुनाव की शीघ्र ही घोषणा कर सकती है। राजनीति कांग्रेस और भाजपा दोनों के ही स्तर पर 'राष्ट्रीय' होने जा रही है, क्योंकि दोनों के आंदोलन देश भर में किए जाने हैं। आश्चर्य यह है कि राहुल गांधी ने निचली अदालत के फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती क्यों नहीं दी? प्रियंका गांधी के कुछ बयान प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ आए हैं और प्रियंका ने चुनौती दी है कि उनके खिलाफ केस दर्ज कराया जाए।

उच्च शिक्षा में सुधार कैसे हो?

डा. वरिंदर भाटिया

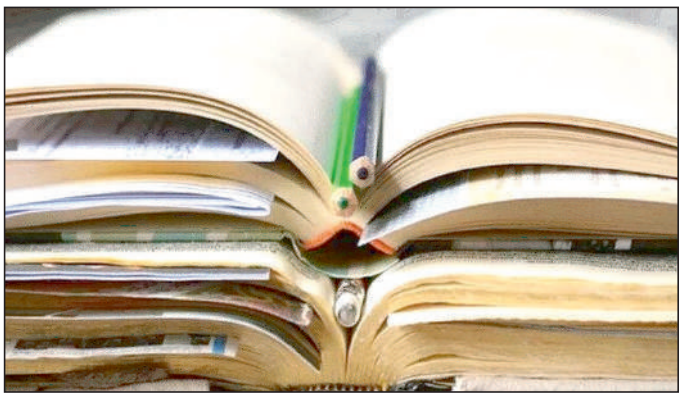

उच्च शिक्षा की बदहाल सूरत को लेकर देश का बिहार राज्य ख़बरों में है। ताजातरीन तथ्य बताते हैं कि बिहार में चल रही 14 में से 8 यूनिवर्सिटीज और 591 में से 427 कॉलेजों को नेशनल एसेसमेंट एंड एक्रीडिटेशन काउंसिल (नैक) की मान्यता तक नहीं है। अनेक विश्वविद्यालय मनमानी पर उतारू हैं। बीआर, बिहार यूनिवर्सिटी मुजफ्फरपुर और जेपी यूनिवर्सिटी छपरा ने नियम विरुद्ध कई कॉलेजों को संबद्धता दे दी, जबकि उनके पास पर्याप्त इंफ्रास्ट्रक्चर तक नहीं थे। तिलका मांझी यूनिवर्सिटी में प्री पीएचडी में 354 फेल छात्रों को गलत ढंग से ग्रेस माक्र्स देकर पास कर दिया गया। पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी में दो एजेंसियों को नियम तोड़ टेंडर दे दिए। जांच करने पर ऐसे ही हालात देश की अनेक यूनिवर्सिटीज में पाए जा सकते हैं। इसके लिए उच्च शिक्षा सुधारों को पहल पर लिया जाना होगा। दुनिया में 900 से अधिक विश्वविद्यालयों का सबसे बड़ा आधार होने के बावजूद, भारत से केवल 15 उच्च शिक्षा संस्थान शीर्ष 1000 में हैं। यह भारत में उच्च शिक्षा प्रणाली के लिए एक खतरनाक संकेत है। भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद, छात्रों के मामले में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी है। यद्यपि उच्च शिक्षा का 75 प्रतिशत निजी क्षेत्र में है, सर्वोत्तम संस्थान, जैसे आईआईटी, आईआईएम, एआईआईएमएस व एनएलएस, सभी सरकार द्वारा स्थापित किए गए हैं।

आज भी देश के कई कॉलेज और विश्वविद्यालयों में योग्य शिक्षक नाम मात्र के हैं। उनके स्थान पर आज भी अप्रशिक्षित या अस्थाई शिक्षकों की सिर्फ और सिर्फ पैसे बचाने के फेर में अल्प वेतन में सेवाएं ली जा रही हैं। यह उच्च शिक्षा के लिए मीठा जहर है। इसके लिए राज्य सरकारों को सक्षम स्तर पर निरीक्षण करवाकर खामियां दूर की जानी चाहिए। उच्च शिक्षा का स्तर बढ़ाने के लिए राज्य सरकारों को शिक्षकों की नियुक्ति पर खास ध्यान देना होगा। शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण है। ज्ञानवान योग्य शिक्षकों की नियुक्ति और सेवा बनाए रखना महत्वपूर्ण है। ऐसे शिक्षकों को छात्रों के लिए रोल मॉडल बनाने के रूप में पेश करने की आवश्यकता है। इसके साथ ही उच्च शिक्षण संस्थाओं में मूल्यांकन सुधार की भी आवश्यकता है। निश्चित रूप से उच्च शिक्षा की गुणवत्ता वर्तमान की प्रमुख समस्या है। यह गुणवत्ता मुख्यतः तीन स्तंभों पर आधारित है। बुनियादी ढांचा, कुशल फैकल्टी और नवाचार प्रक्रिया। इसको बनाये रखने के लिए सरकारी स्तर पर भी उच्च शिक्षण संस्थाओं को समय-समय पर दिशा निर्देश देकर उनकी प्रभावी मॉनिटरिंग करनी चाहिए, ताकि युवा वर्ग को समय पर रोजगार और नौकरी के अवसर मिल सकें। वर्तमान दौर में शिक्षा को संकुचित अर्थ में सरकारी सेवाओं में जाने का साधन माना जा रहा है, जबकि शिक्षा का व्यापक अर्थ मानव का सर्वांगीण विकास है। कभी नालंदा और तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालयों के लिए चर्चित रहे भारत में आज उच्च शिक्षा की गुणवत्ता क्यों सवालों के घेरे में है। राज्य सरकारों को उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर काम करने की आवश्यकता है। भारत गांवों का देश है। इसलिए सरकार को शिक्षा की गुणवत्ता के सुधार के लिए उनको गांवों से शुरुआत करनी चाहिए। अकादमिक नेतृत्व में व्यक्तिवादी लक्षण भी होते हैं जबकि अकादमिक नेतृत्व सहयोगी और परिवर्तनकारी कौशल की मांग करता है। शैक्षणिक उत्कृष्टता शिक्षण, अनुसंधान और अकादमिक प्रशासन में एकीकृत कौशल की मांग करती है। लेकिन विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति/संस्थापक और उनका समर्थन करने वाले मानव संसाधन नेताओं में इस क्षमता का अभाव है। उच्च शिक्षा में चयन के लिए साक्षात्कार अक्सर औपचारिक होते हैं। वरिष्ठ पदों के लिए केवल 30 मिनट का समय केवल उम्मीदवार के पिछले अनुभव पर ध्यान केंद्रित करता है जिसमें उनके अकादमिक नेतृत्व गुणों का आकलन करने के लिए कोई प्रमुख प्रश्न नहीं होता है। इसे सुधार लिया जाना चाहिए। अधिकांश उच्च शिक्षा संस्थानों में उच्च शिक्षा प्रशासन का काम हौसला तोडने वाला भी होता है, क्योंकि वे भागीदारी, जवाबदेही, पारदर्शिता, आम सहमति और समावेश जैसी विशेषताओं की उपेक्षा करते हैं। भारतीय शिक्षा का प्रबंधन अति-केंद्रीकरण, नौकरशाही संरचनाओं और जवाबदेही की कमी, पारदर्शिता और व्यावसायिकता की चुनौतियों का सामना करता है। उच्च शिक्षा प्रशासन अपने मामलों में कोई राजनीतिक प्रभाव या हस्तक्षेप नहीं चाहते हैं।

उत्तराखंड प्रहरी

कविता

कन्या पूजन बड़ा फलदाई

अष्टभुजी सिंह सवार मां दुर्गा,
शंख,चक्र,गदा,त्रिशूल,धनुष,खड़ग,खप्पर और पदम कर में धारण करने वाली है।

अष्टसिद्ध,नवनिधि प्रदाता,मां सुख अमृत बरसाने वाली है।

मां की भक्ति बड़ी सुखदाई,मां ही फल मनवांछित देने वाली है।

नवमी पूजन की कर लो तैयारी, मां आज कन्या रूप में दर्शन देने वाली है।

नौ दिन की मां की सेवा आराधना,आज मां के कन्या रूपों के पूजन की बारी हैं।

कन्या पूजन बड़ा फलदाई ,मां कन्या पूजन और सेवा से प्रसन्न होने वाली है।

सचिन बेदी अधिवक्ता , हरिद्वार

आर्थिक असमानता की समस्या व समाधान

असमान वितरण को दूर करने के लिए सरकार को बेरोजग़ारी और अल्प बेरोजग़ारी को दूर करना, करों की चोरी को रोकना, धनी वर्ग पर प्रगतिशील कर, संपदा कर, बजट को मध्यम वर्ग के अनुकूल बनाना, महंगाई पर नियंत्रण, कृषि श्रमिकों तथा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को उनकी उत्पादकता के अनुसार मज़दूरी दिलवाना, श्रमिकों के उपभोग की वस्तुओं पर कम अप्रत्यक्ष कर लगाना है

भारत में आर्थिक असमानता दिन -प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। इस समस्या ने कुछ वर्षों से धनी और निर्धन के बीच की खाई को और चौड़ा कर दिया है। सरकार और सियासी पार्टियों को इस समस्या को गंभीरता से लेने की जरूरत है ताकि संसाधनों और धन का न्यायपूर्ण बंटवारा हो सके। आर्थिक असमानता की समस्या की गंभीरता का पता हमें नेशनल काउंसिल फॉर अप्लाइड इकोनामिक रिसर्च की रिपोर्ट से चलता है कि देश के 20 प्रतिशत धनी लोगों के पास देश की कुल आय का 53.2 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि नीचे के 40 प्रतिशत लोगों के पास कुल आय का 5.3 प्रतिशत भाग है। एकाधिकार जांच आयोग के अनुसार देश की 1536 कंपनियां 75 परिवारों के नियंत्रण में हैं। अखिल भारतीय ऋण और निवेश सर्वेक्षण रिपोर्ट 2018 के अनुसार देश के 10 प्रतिशत धनी लोगों के पास देश की दौलत का 54.98 प्रतिशत था और नीचे के 50 प्रतिशत लोगों के पास 5.65 प्रतिशत था। हाल ही में जारी की गई ऑक्सफैम अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट को देखें तो हमें वर्तमान समय में भारत में आर्थिक विषमता का पता चलता है। भारत की कुल दौलत का 40 प्रतिशत हिस्सा 1 प्रतिशत लोगों के पास है जबकि नीचे की 50 प्रतिशत जनता के पास कुल भारतीय दौलत का 3 प्रतिशत हिस्सा है। धनी वर्ग ने तो कोविड काल में भी पैसा ही अर्जित किया और अपेक्षाकृत कम विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग की रोजी-रोटी चली गई और निर्धनता की ओर धकेल दिए गए। इससे अमीर और गरीब के बीच की खाई और चौड़ी हो गई। आय का असमान वितरण न केवल वर्तमान निर्धनता को प्रकट करता है, बल्कि धनी और निर्धन के बीच के अंतर को भी प्रकट करता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी इस समस्या की गंभीरता को देखकर वर्तमान वित्त मंत्री से आग्रह किया था कि भारत में बेरोजगारी, महंगाई और असमानता बढ़ी है, इसलिए 2023-24 के बजट में मध्यम वर्ग को रियायतें दी जाएं ताकि असमानता कम हो सके। जब संसाधनों और धन का न्याय पूर्ण बंटवारा न हो रहा हो तो सरकार और सियासी पार्टियों को इसके समाधान के लिए भारत के संविधान में दिए गए निर्देशक सिद्धांतों के अनुसार देश के आर्थिक नियोजन को मोड़ देकर, देश के धनी और गरीब के बीच की खाई को कम करना चाहिए। अनुच्छेद 37, 38, 39 में साफ लिखा है कि लोगों के लिए आर्थिक-सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना है और भारत को कल्याणकारी राज्य के रूप में स्थापित करना है। आय, स्थिति, सुविधाओं तथा अवसरों में असमानता को कम करके सामाजिक व्यवस्था को सुरक्षित एवं सरंक्षित कर लोगों के कल्याण को बढ़ावा देने का प्रयास करना है। सभी नागरिकों को आजीविका के पर्याप्त साधन, भौतिक संसाधनों के स्वामित्व और नियंत्रण को सामान्य जन की भलाई के लिए व्यवस्थित करना है। कुछ व्यक्तियों के पास धन को संकेंद्रित होने से बचाना है। इन निर्देशक सिद्धांतों को किसी न्यायालय के जरिए लागू नहीं करवाया जा सकता है। **सत्यपाल वशिष्ठ**

वैधानिक सूचना

उत्तराखंड प्रहरी के संपादन में हम प्रयासरत है कि हमारी ओर से खबर में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि न हो। हमारी कोशिश है कि अखबार में छपी किसी खबर, रिपोर्ट, फीचर या लेख से व्यक्ति विशेष, संगठन या समुदाय की भावना को ठेस न पहुंचे। **उत्तराखंड प्रहरी** में प्रकाशित लेख, विश्लेषण और साभार, ली गई सामग्री के विचार संबंधित लेखकों और रचनाकारों के निजी विचार हैं, न कि अखबार के। अतः सभी पाठकों से आग्रह है कि वे किसी सूचना, समाचार, विज्ञापनों आदि के आधार पर कोई फैसला करने से पहले तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। उसके लिए किसी भी प्रकार से लेखक, संपादक, प्रकाशक, प्रिंटर या विक्रेता को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है। तथा किसी भी कारोबारी और निज निर्णय के लिए **उत्तराखंड प्रहरी** जिम्मेवार नहीं होगा।

बिना अनुमति बाग में काट डाला आम का सूखा पेड़

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। पेड़ों पर आरिया चलाने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। वन तस्कर बागों में खड़े हरे भरे पेड़ों को तो बिना अनुमति के काट ही दे रहे थे। अब बिना अनुमति के ही बाग में खड़े सूखे एक पेड़ पर भी आरी चला डाली। उद्यान विभाग ने इस मामले में जांच कर कार्रवाई करने की बात कही है।

इसी जगह फरवरी माह में काटे गए 20 से 25 हरे भरे पेड़ों के मामले में भी आज तक भी वन विभाग के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है। जिससे एक वन विभाग की कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह लगा है। थाना पथरी क्षेत्र के फेरूपुर स्थित हरी एंक्लेव कॉलोनी के सामने बाग में एक आम का सूखे विशालकाय पेड़ को उद्यान विभाग व वन विभाग की बिना अनुमति के ही काट दिया गया। पेड़ पर आरी चलाकर लकड़ी ठिकाने लगा दी गई। लेकिन वन विभाग के अधिकारियों को इसकी खबर तक नहीं लगी। जबकि इससे पहले भी इसी जगह के आसपास चार फरवरी को भी लगभग 20 से 25 पेड़ बिना वन विभाग की अनुमति के सागवान, नीम, शीशम, कटहल, सिंबल सहित कई प्रजातियों के पेड़ को वन तस्करों ने काट दिया था। वन तस्करों ने खेत मालिक के साथ मिलकर वहां से नामोनिशान मिटा दिया था। लेकिन सिर्फ वन विभाग के क्षेत्र वन दरोगा गौतम कुमार राठौर ने दो ही पेड़ों का खेत मालिक नोटिस भेजा था। लेकिन आज तक इस मामले में भी कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है। मामला ठंडे बस्ते में चला गया या फिर यूं कहें कि जानबूझकर इस तरफ से वन विभाग के क्षेत्र अधिकारियों ने नजरें ही हटा ली हैं।

'वहीं वन विभाग के क्षेत्र वन दरोगा गौतम कुमार राठौर ने बताया कि सूखे पेड़ को कोई भी काट सकता है। आम के पेड़ों पर उद्यान विभाग कार्रवाई करेगा। इससे वन विभाग का कोई लेना देना नहीं है।'

.....

'मुख्य उद्यान अधिकारी ओम प्रकाश ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। इसकी जांच करा कर कार्रवाई की जाएगी।'

पावर लिफ्टिंग में कृष्णा अरोड़ा ने बढ़ाया मान

हरिद्वार/ऋषिकेश। ऋषिकेश में आयोजित उत्तराखण्ड पावर लिफ्टिंग एण्ड आर्म रैसलिंग चैंपियनशिप में हरिद्वार के बेटे कृष्णा अरोडा ने हरिद्वार उत्तराखण्ड का मान बढ़ाते हुए 2 गोल्ड मेडलों को अपने नाम किया। ऋषिकेश में आयोजित राज्यस्तरीय पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में हरिद्वार के महिला और पुरुष खिलाड़ियों ने अपने भारतवर्ग में सबसे ज़्यादा वजन उठा कर जीत हासिल की। महिला खिलाड़ियों में क्रमशः नीरू, संगीता चतुर्वेदी, आंचल बिष्ट, नन्दनी तो वहीं पुरुष खिलाड़ियों में कृष्णा अरोडा, मयंक पन्त, मनीष कुकरेती, प्रणय पंथरी, जतिन ठाकुर, संजय सक्सेना व ऋतिक प्रजापति शामिल हैं।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हरिद्वार भ्रमण के दृष्टिगत पुलिस/प्रशासनिक अधिकारियों ने की संयुक्त ब्रीफिंग

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। हरिद्वार अपर पुलिस महानिदेशक अपराध एवं कानून-व्यवस्था बी0 मुरूगेशन, डीआईजी सिक्योरिटी राजीव स्वरूप, डीआईजी इंटलीजेंस डॉ0 वाई0एस0 रावत, जिलाधिकारी विनय शंकर पाण्डेय एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने बुधवार को ऋषिकुल ऑडिटोरियम में अमित शाह केन्द्रीय गृह मंत्री भारत सरकार के भ्रमण के दृष्टिगत पुलिस/प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग में प्रतिभाग किया। अपर पुलिस महानिदेशक अपराध एवं कानून-व्यवस्था बी0 मुरूगेशन ने ब्रीफिंग को सम्बोधित करते हुये कहा कि जिस किसी की भी ड्यूटी जिस स्थान पर लगी है, उसके सम्बन्ध में आपको अच्छी तरह पता होना चाहिये तथा कहीं पर भी संशय की स्थिति नहीं होनी चाहिये एवं कहीं पर भी कोई कमी नहीं रहनी चाहिये। डीआईजी सिक्योरिटी राजीव स्वरूप ने ब्रीफिंग में कहा कि यह ड्यूटी काफी महत्वपूर्ण है, जिसके लिये हमारी तैयारी उच्च स्तर की होनी चाहिये। हमें इसमें खरा उतरना है तथा इसमें त्रुटि की कहीं पर भी कोई गुंजाइश नहीं है। डीआईजी इंटलीजेंस डॉ0 वाई0एस0 रावत ने कहा कि वीवीआईपी की ड्यूटी में हर प्वाइण्ट पर ध्यान देना है। इसमें कहीं पर भी बिल्कुल भी चूक नहीं होनी चाहिये तथा ड्यूटी में त्रुटि बिल्कुल भी क्षम्य नहीं है। उन्होंने कहा कि आप पहले से ही अपनी ड्यूटी को समझते हुये अपनी पूरी तैयारी रखें ताकि आपको कहीं पर भी कोई दिक्कत न हो। ब्रीफिंग को सम्बोधित करते हुये जिलाधिकारी विनय शंकर पाण्डेय ने कहा कि सभी को आपसी सामंजस्य बनाते हुये वीवीआईपी की ड्यूटी को बहुत ही गंभीरता व कूल होकर करना है तथा इसमें त्रुटि की कोई गुंजाइश नहीं है एवं सभी अपनी-अपनी तैनाती स्थल पर समय से पहुंचना सुनिश्चित करें। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने ब्रीफिंग को सम्बोधित करते हुये कहा कि वीवीआईपी ड्यूटी को पूरी गंभीरता से लेना है। उन्होंने कहा कि जिस किसी भी अधिकारी आदि की ड्यूटी जिस स्थान पर लगाई गयी है, वहां जिस तरह की भी व्यवस्थायें बनाई जानी हैं, उसकी तैयारियां पूर्व में ही करना सुनिश्चित करें तथा आपको जो भी निर्णय लेने हैं, उन्हें समय पर ले लें ताकि चाहे आपको ट्रैफिक डायवर्जन करना है, बैरिकेटिंग करनी है, उसके लिये व्यवस्था आदि बनाने के लिये पूरा समय मिल जायेगा। इसके अतिरिक्त उन्होंने सुरक्षा आदि से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत प्रकाश डाला। इससे पूर्व एस0पी0 सिटी स्वतंत्र कुमार सिंह ने वीवीआईपी की ड्यूटी को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के दृष्टिगत तैनाती स्थल आदि के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी। ब्रीफिंग में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) बीर सिंह बुदियाल, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पी0एल0 शाह, संयुक्त मजिस्ट्रेट रूड़की अभिनव शाह, संयुक्त मजिस्ट्रेट भगवानपुर श्री आशीष मिश्रा, एमएनए दयानन्द सरस्वती, सिटी मजिस्ट्रेट सुश्री नूपुर वर्मा, एसडीएम पूरण सिंह राणा, विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी बृजेश तिवारी, एसडीएम लक्सर गोपाल राम बिनवाल, एमएनए रूड़की विजयनाथ शुक्ल, एस0पी0 देहात, सचिव रेडक्रास डॉ0 नरेश चौधरी, सहित प्रशासन, पुलिस के अधिकारीगण उपस्थित थे।

राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के फलस्वरूप प्रदेश स्तर 'जन सेवा' कार्यक्रम आयोजित किया

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

डोईवाला,(देहरादून)। उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो, राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के फलस्वरूप प्रदेश स्तर 'जन सेवा' कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे है, जिसके अन्तर्गत एक साल बेमिशाल कार्यक्रम के तत्वाधान में विधानसभा डोईवाला में माननीय विधायक डोईवाला बृजभूषण गैरोला की अध्यक्षता में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 20 से अधिक विभागों द्वारा अपने स्टाल लगाए गए तथा विभागीय योजनाओं तथा कार्यक्रमों की जानकारी एवं सामग्री उपस्थित लोगों को दी गई।

कार्यक्रम में सफल किसानों, उद्यान पतियों, मत्स्य पालको तथा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक एवं सामग्री आदि वितरित की गई। बहुउद्देशीय शिविर में पंचायतीराज विभाग, समाज कल्याण विभाग, जल संस्थान, खादी ग्रामोद्योग, उद्यान विभाग, उद्योग विभाग, कृषि विभाग, डेयरी विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग आदि विभागों द्वारा स्टॉल लगाये गए थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विधायक डोईवाला द्वारा सरकार की 1 वर्ष की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया तथा विधानसभा डोईवाला में किए गए कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में महिला मंगल दल बड़ोंवाला जोलीग्रान्ट की महिलाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए । स्कूली बच्चों द्वारा रंगारंग प्रस्तुतियां दी गई। शिविर में स्थानीय लोगों द्वारा 26 से अधिक शिकायतें दर्ज की गई जिन्हें संबंधित विभागों को निरीक्षण एवं सत्यापन के उपरांत निस्तारण हेतु प्रेषित किया गया। विभागीय अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभागों की महत्वपूर्ण योजनाओं का प्रस्तुतीकरण मंच से किया गया तथा लाभार्थियों को चेक तथा सामग्री आदि वितरित की गई। विभिन्न क्षेत्रों में अच्छा कार्य करने वाले किसानों, उद्यान पतियों आदि को कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ शिव कुमार बरनवाल, उप जिलाधिकारी डोईवाला शैलेन्द्र नेगी, जिला पंचायत राज अधिकारी विद्या सिंह सोमनाल, तहसीलदार डोईवाला मोहम्मद शादाब, अपर खंड विकास अधिकारी डोईवाला कुंवर सहित अनेक विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यक्रम को लेकर भाजपाइयों ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। कल ऋषिकुल आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय हरिद्वार ग्राउंड पर होने वाले 95 वे संयुक्त सहकारी खेती जन सुविधा केंद्र जन औषधि केंद्र एवं राज्य की समस्त बहू उद्देश्य सरकारी समितियों में पूर्ण रुप से कंप्यूटरीकरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंच रहे देश के केंद्रीय गृह सहकारिता मंत्री अमित शाह के आगमन की तैयारी देखने पहुंचे एवं निबंधक सहकारी समिति आलोक कुमार पांडे एवं सचिव सहकारिता डॉ बीआरसी पुरुषोत्तम से कार्यक्रम की तैयारियों की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर प्रदेश के माननीय कैबिनेट मंत्री डॉ धन सिंह रावत, हरिद्वार लोकसभा सांसद माननीय डॉ रमेश पोखरियाल निशंक, भाजपा जिला अध्यक्ष संदीप गोयल , प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी शैलेंद्र बिष्ट जी, पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतिस्वरानंद , सांसद प्रतिनिधि ओमप्रकाश जमदग्नि, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉक्टर जयपाल सिंह चौहान, लक्सर चेयरमैन अमरीश गर्ग पूर्व महापौर मनोज गर्ग, जिला महामंत्री आशुतोष शर्मा, जिला उपाध्यक्ष लव शर्मा, संजय सिंह, विक्रम भुल्लर, मनोज शर्मा आदि उपस्थित रहे।

भगवा हिन्दू सेना ने किया राम कथा कलश यात्रा का स्वागत

हरिद्वार । उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो, भगवा हिन्दू सेना द्वारा सिद्धबली हनुमान मंदिर श्री राम कथा कलश यात्रा का स्वागत पुष्प वर्षा के साथ किया गया और शरबत वितरण भी किया गया। जिसमें भगवा हिन्दू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप रोड राष्ट्रीय महासचिव प्रिन्स वर्मा, कोषाध्यक्ष ईशान नंदवानी, कार्यकारिणी सदस्य नरेंद्र कश्यप, आकाश पाल, सनातन पंवार, सचिन गांधी, जुगनिश शर्मा, दीपिका शर्मा (महिला मोर्चा), अमिता गुप्ता(महिला मोर्चा) सुशीला सैनी (महिला मोर्चा) और आलोक गिरी जी महाराज, जय जगदीश प्रभु जी, विपिन महाराज सभी संतगन और सदस्य मौजूद रहें।

स्वदेशी चिकित्सा व स्वदेशी शिक्षा के आंदोलन में संन्यासियों की भूमिका अहम: स्वामी रामदेव

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। संन्यास दीक्षा महोत्सव में आज आठवें दिन स्वामी रामदेव जी महाराज ने संन्यास का संकल्प लेने वाले भावी संन्यासियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हम सनातन धर्म के पुराधाओं की श्रृंखला तैयार कर महर्षि दयानन्द के स्वप्न को साकार करेंगे। उन्होंने कहा कि पतंजलि के माध्यम से स्वास्थ्य व शिक्षा का बहुत बड़ा आंदोलन चलाया जा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में भारतीय शिक्षा बोर्ड, पतंजलि गुरुकुलम्, आचार्यकुलम्, पतंजलि विश्वविद्यालय, पतंजलि आयुर्वेद कॉलेज के माध्यम से शिक्षा क्रान्ति का शंखनाद हो गया है। इस कार्य में पतंजलि के संन्यासियों की भूमिका अहम रहेगी।

स्वामी जी ने कहा कि स्वदेशी शिक्षा तंत्र का महर्षि दयानन्द, स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी तथा सभी क्रांतिकारियों का सपना आजादी के 75 वर्ष बाद पतंजलि पूरा कर रहा है। देश स्वतंत्र हो गया किन्तु शिक्षा और चिकित्सा तंत्र अपना है ही नहीं! गुलामी की रस्मों तथा गुलामी की सब निशानियों को मिटाना है। यह कार्य संन्यासी ही कर सकते हैं। शिक्षा में आमूलचूल परिवर्तन कर गुलामी की निशानियों को मिटाकर आदर्श महापुरुषों व सनातन को पुनः गौरव प्रदान करने हेतु पतंजलि संकल्पित है। कार्यक्रम में आचार्य बालकृष्ण जी ने कहा कि संन्यास मार्ग मोक्ष प्राप्ति का सरलतम साधन है। एक सच्चा संन्यासी अपनी सभी एषणाओं से मुक्त होकर विरक्त भाव से समाज व राष्ट्र के लिए समर्पित हो जाता है। स्वामी जी महाराज से दीक्षित होकर सैकड़ों संन्यासी जब देश के विभिन्न क्षेत्रें में नेतृत्व करेंगे तो महर्षि दयानन्द का सपना साकार होगा। आज दिनांक 29 मार्च देर शाम सर संघ चालक पूज्य मोहन भागवत जी ऋषिग्राम पहुँचे तथा चतुर्वेद पारायण यज्ञ में आहुति दी। उन्होंने भावी संन्यासियों को सम्बोधित भी किया।

कल रामनवमी के अवसर पर वी.आई.पी. घाट, हरिद्वार में पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज से संन्यास की दीक्षा लेने वाले शताधिक नवसंन्यासियों को आशीर्वाद प्रदान करेंगे। इसी क्रम में कल सायं 4 बजे माननीय केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह पतंजलि विश्वविद्यालय के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम में महिला मुख्य केन्द्रीय प्रभारी साध्वी देवप्रिया जी, आचार्यकुलम् की निदेशिका बहन ऋताम्भरा शास्त्री, स्वामी विदेहदेव, स्वामी मित्रदेव, स्वामी ईशदेव, स्वामी सोमदेव, साध्वी देवश्रुति, साध्वी देववेरण्या, साध्वी देववाणी, साध्वी देवार्चना आदि उपस्थित रहे।

संन्यास दीक्षा महोत्सव-2023, आठवाँ दिन

सच्चा संन्यासी अपनी सभी एषणाओं से मुक्त होकर विरक्त भाव से समाज व राष्ट्र के लिए समर्पित हो जाता है: आचार्य बालकृष्ण

सर संघ चालक पूज्य मोहन भागवत जी संन्यास दीक्षा महोत्सव हेतु पतंजलि पहुँचे

दो दिवसीय स्टार्टअप बूट कैम्प ऋषिकुल राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय के सभागार में हुआ आयोजित

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। उद्योग विभाग उत्तराखण्ड के तत्तवाधान में आई.आई.एम. काशीपुर के सहयोग से दो दिवसीय स्टार्टअप बूट कैम्प ऋषिकुल राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय के सभागार में आयोजित किया गया। कैम्प का शुभारंभ ऋषिकुल राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय के परिसर निदेशक प्रो. डॉ. डी.सी. सिंह, जिला उद्योग केन्द्र की मुख्य प्रबन्धक पलवी गुप्ता एवं शरीर रचना विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. नरेश चौधरी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलन कर किया।

जिलाउद्योग केन्द्र की मुख्य प्रबन्धक पलवी गुप्ता ने कहा कि स्टार्टअप बूट कैम्प का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को उच्च कोटि की उद्यमिता के लिए जागरूक करना है। उद्योग केन्द्र उत्तराखण्ड द्वारा उद्यमिता को बढाने के लिए जो सरकारी योजनाऐं चलाई जा रही है, उन सबकी विशेष विस्तृत जानकरी पलवी गुप्ता द्वारा सभी प्रतिभागियों को दी गई। आई.आई.एम. काशीपुर से आई हुई प्रोफेसर रचिता गुप्ता द्वारा प्रतिभागियो को स्टार्टअप बूट कैम्प्स की आवश्यकताओं पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुये कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में छात्र-छात्राओं को अपने अपने छोटे-छोट स्वयं के उद्योग स्थापित करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। जिससे इस प्रकार के कैम्प में प्रतिभाग करने वाले छात्र-छात्राएं भी भविष्य में अच्छे उद्यमी बन सकते हैं।

मेडिकैमन बायोटेक लिमिटेड के प्लांट प्रमुख ने अपने द्वारा चलाये जा रहे उद्योग के विषय पर अपने अनुभव प्रतिभागियों के मध्य साझा किये। आई.आई.एम. काशीपुर से उत्कर्ष गुप्ता ने प्रतिभागियों को स्टार्टअप बूट कैम्प और उद्यमिता विषय पर विशेष रूप से व्याख्यान देते हुये प्रतिभागियों को विशेष रूप से पिचिंग के टिप्स भी दिये। आई.आई.एम. काशीपुर से ही मनोज नेगी ने फाइनेंस से सम्बन्धित जानकारियां प्रतिभागियों को दी। शरीर रचना विभागाध्यक्ष डॉ. नरेश चौधरी ने आई.आई.एम. काशीपुर के सभी संकाय सदस्य, रिसोर्स पर्सन्स, उद्योग विभाग उत्तराखण्ड, उद्योग केन्द्र की मुख्य प्रबन्धक पलवी गुप्ता तथा सभी प्रतिभागियों का विशेष रूप से धन्यवाद देते हुये कहा कि इस दो दिवसीय स्टार्टअप बूट कैम्प से छात्र-छात्राओं को जो लाभ मिलेगा उससे भविष्य में वे स्वयं स्वावलम्बी हो सकेंगे और स्वयं नौकरी तलाशने के बजाये अन्य को नौकरी देने वाले बनेंगे। स्टार्टअप बूट कैम्प में ऋषिकुल एवं गुरूकुल राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ पंचकर्म विभागाध्यक्ष डॉ. के.के. शर्मा, कायचिकित्सा विभागाध्यक्ष डॉ. ओ.पी. सिंह, रोग निदान विभागाध्यक्ष डॉ. रूबी अग्रवाल ने भी प्रतिभाग किया।

सिगनेचर विला प्रोजेक्ट के खिलाफ भैरव सेना संगठन ने एचआरडीए सचिव को सौंपा ज्ञापन, कार्रवाई की मांग

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। ग्राम कांगड़ी श्यामपुर क्षेत्र में गंगा से 30 मीटर के दायरे में एनजीटी के नियमों को ताक पर रखकर अवैध कॉलोनी में बनाए जा रहे फ्लैटों के खिलाफ भैरव सेना संगठन ने मोर्चा खोल दिया है। संगठन ने हरिद्वार रुड़की विकास प्राधिकरण के सचिव उत्तम सिंह चौहान को ज्ञापन सौंपकर सिगनेचर विला और बिल्डरों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग उठाई है। कार्रवाई न होने पर संगठन ने आंदोलन करने की चेतावनी भी दी है।

हरिद्वार रुड़की विकास प्राधिकरण के सचिव को दिए गए पत्र में भैरव सेना संगठन के प्रदेश अध्यक्ष हिमांशु राजपूत ने बताया कि ग्राम कांगड़ी में गंगा से 30 मीटर के दायरे में एनजीटी के नियमों के विपरीत और प्राधिकरण की अनुमति एवं बिना नक्शा पास कराए कॉलोनी में अपार्टमेंट का अवैध निर्माण कार्य धड़ल्ले से किया जा रहा है, जो बिल्कुल नियम विरुद्ध है। एनजीटी की गंगा किनारे निर्माण नहीं करने के आदेश होने के बावजूद भी 30 मीटर के दायरे में ही अवैध कॉलोनी काटी गई है। जिसके अंदर बहुत तेजी से बहुमंजिला अपार्टमेंट का अवैध निर्माण कार्य हरिद्वार रुड़की विकास प्राधिकरण की अनुमति लिए बिना ही कराया जा रहा है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में इस तरह के प्रोजेक्ट से जान माल का भारी खतरा है ऐसे प्रोजेक्ट पर सरकार को तुरंत रोक लगानी चाहिए। हरिद्वार रुड़की विकास प्राधिकरण व एनजीटी के मांगों की अनदेखी की जा रही है। और धड़ल्ले से अवैध बिल्डिंगों का निर्माण कार्य बिल्डर द्वारा किया जा रहा है। फर्म सिग्नेचर विला द्वारा लोगों से मोटी रकम लेकर बुकिंग की जा रही हैं, जो कि सीधे-साधे लोगों को फंसाने का कार्य बिल्डरों द्वारा किया जा रहा है।

63.51 लाख चढ़ावा चढ़ा, नयनादेवी मंदिर में उमड़ा श्रद्धा सैलाब

मंदिर न्यास को 10,64398 नकद तथा 900 ग्राम चांदी चढ़ावे के रूप में प्राप्त हुई है। मंदिर न्यास से मिली जानकारी के अनुसार अब तक मंदिर न्यास को 63,51,286 रुपए नकद, 52 ग्राम 300 मिलीग्राम सोना और 11 किलो 283 ग्राम चांदी अब तक मंदिर न्यास को प्राप्त हो चुकी है। उधर आज खबर लिखे जाने तक लगभग 15 हजार से जयादा श्रद्धालु माता के दर्शन कर चुके थे। जबकि शाम तक श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी था। उत्तरी भारत के विख्यात तीर्थ स्थल श्री नयना देवी जी में चैत्र मास के नवरात्र धूमधाम से चल रहे हैं। सप्तमी नवरात्र के दौरान माता श्री नयना देवी जी के दर्शनों के लिए उत्तर प्रदेश से लगभग 150 बसों का काफिला माताजी के दर्शनों के लिए उमड़ पड़ा जिसके चलते घवांडल चौंक से लेकर कोहनी मोड़ से काफी आगे तक गाडियों की लंबी कतारें देखी गई तथा देखते ही देखते यात्रियों की संख्या इतनी बढ़ गई कि मंदिर में तैनात सुरक्षा कर्मियों तथा पुलिस कर्मियों के हाथ पांव फूल गए लेकिन पुलिस तथा मंदिर के अंदर सुरक्षाकर्मियों ने बखूबी से अपना जिम्मा संभाला। सातवें नवरात्र के दौरान हर वर्ष की भांति इस बार भी अलीगढ़ तथा उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों से माता के दर्शनों के लिए श्रद्धालु पहुंचते हैं उसी तर्ज पर आज भी भारी श्रद्धालुओं की संख्या में श्रद्धालु माता के दरबार में पहुंचे।

आज सुबह ही लगभग 2 बजे माता मंदिर के मंदिर के कपाट खुल चुके थे तथा श्रद्धालुओं के लिए दर्शन लगातार जारी रहे चूंकि सारी व्यवस्था व्यवस्थित रही। पानी, बिजली तथा सफाई का प्रबंध भी ठीक रहा लेकिन लगभग डेढ़ सौ बसों की पार्किंग के लिए नयनादेवी में जगह न होने के कारण लंबी.लंबी लाइनें देखी गई। नगर परिषद् के कार्यकारी अधिकारी प्रीतिमा राय ने बताया कि वे स्वयं सफाई व्यवस्था पर निरीक्षण कर रहे हैं तथा सभी आगे पसरी दुकानों को लगभग हटा दिया गया है। सभी गलियों, शौचालयों में कीटनाशक दवाईयों का भी छिडक़ाव किया गया है। जल व सिंचाई विभाग के कनिष्ठ अभियंता सन्नी शर्मा ने कहा कि मेले में पानी की व्यवस्था सुचारु रूप से चल रही है लगभग 10 से 12 लाख लीटर पानी प्रतिदिन लोगों को मुहैया करवाया जा रहा है। सभी लंगरों को समय समय पर उन्हें पानी दिया जा रहा है। वहीं बिजली बोर्ड के एसडीओ ने बताया कि नयना देवी में मेलों के दोरान विदयुत व्यवस्था हेतु विभाग के कर्मचारी दिन रात सेवा में लगे हैं तथा मेले के दोरान नयना देवी में 11-11 केवीके द्वारा 3 सप्लाइयां दी जा रही है। ग्वालथाई से 11 के वी को स्टैंड बाई रखा गया है आपातस्थिति में इस लाइन को चालू किया जाएगा। (एचडीएम)

उधर, रज्जू मार्ग में भी श्रद्धालु सुबह 7 बजे से शाम के 9 बजे तक गोबिंदसागर का दृश्य देख तथा रज्जू मार्ग में लुत्फ उठा रहे हैं। रज्जू मार्ग यात्रिओं की सेवा में सुचारू रूप से चल रहा है। नयनादेवी में यात्रियों का भारी सैलाब माता के दर्शनों को उमड़ा रहा। मंदिर न्यास के अध्यक्ष धर्मपाल ने बताया कि अभी तक माता के भक्त आराम से दर्शन कर रहे हैं तथा श्रद्धालु एलइडी के माध्यम से माता के दर्शन कर रहे है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से सुरक्षा कर्मियों से सतर्क रहने की अपील की है।

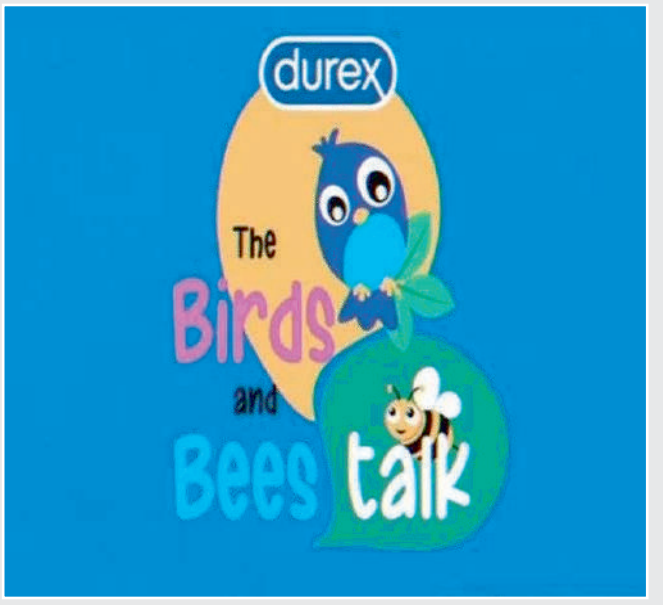

Durex Birds एंड BEES टॉक प्रोग्राम का विस्तार

नई दिल्ली। कंज्यूमर हैल्थकेयर कंपनी रैकिट ने आज ड्यूरेक्स बड्डस एंड बीईईएस टॉक प्रोग्राम (टीबीबीटी) के विस्तार की घोषणा की। कंपनी ने कहा कि यह कार्यक्रम गुजरात और दिल्ली में 10 से 19 साल के किशोर पर केंद्रित है। एसोचैम फाउंडेशन फॉर कारपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (एएफसीएसआर) के साथ गठबंधन में इस कार्यक्रम का उद्देश्य इस साल इन दोनों राज्यों में 1.5 करोड़ किशोर को लाभान्वित करना है।

इस विस्तार के साथ कार्यक्रम के अंतर्गत थीम गान प्रोटेक्टेड लांच किया गया है, जो इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत पांच मुख्य स्तंभों-कंसेंट, ईक्विटी, समावेशन, जागरुकता और सुरक्षा पर केंद्रित है। ड्यूरेक्स बड्डस एंड बीईईएस टॉक प्रोग्राम ने अपनी पहली सोशल रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट (एसआरओआई) इवेल्युएशन स्टडी रिपोर्ट जारी की, जिसमें सामने आया कि इस कार्यक्रम में निवेश किए गए हर एक रुपए से 24.40 रुपए के सामाजिक मूल्य का उत्पादन हुआ।

प्लान इंडिया और रैकिट के नेतृत्व में इस कार्यक्रम का क्रियान्वयन पूर्वोत्तर के 6 राज्यों – अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड और सिक्किम में किया जा चुका है। ऑफलाइन और डिजिटल प्लेटफॉम्र्स द्वारा टीबीबीटी आज तक इन राज्यों के 40 लाख युवाओं तक पहुंच चुका है।

इन राज्यों की सरकारों के सहयोग से लॉन्च किए गए टीबीबीटी में 2 स्तर का इंटरैक्टिव और एनिमेटेड पाठ्यक्रम है, जिसमें बड़े होने और जीवन के कौशल शामिल हैं, ताकि समावेशन, जागरुकता, सहमति, जागरुकता और सुरक्षा के मुख्य सिद्धांतों को बढ़ावा मिले।

आईजीएमसी कैंसर रोगियों को मिलेगी पैट स्कैन सुविधा

शिमला। राजधानी के आईजीएमसी के कैंसर रोगियों के लिए अब राहत की खबर है। अब आईजीएमसी में जल्द पैट स्कैन की सुविधा मिलने जा रही है। अब किसी भी मरीज को पैट स्कैन सुविधा के लिए बाहरी राज्य का रूख नहीं करना पड़ेगा और न ही भारी भरकम बिलों का सामना करना पड़ेगा। आईजीएमसी अस्पताल से मेन सडक़ की ओर जाने वाले रास्ते में भूमि का चयन किया गया है और भूमि भी अस्पताल प्रशासन के नाम हो चुकी है।

हालांकि अभी फोरेस्ट कलेयरेंस आनी बाकी है, लेकिन प्रशासन का दावा है कि वह भी जल्द ही मिल जाएगी और उसके बाद सभी स्पेसिफिकेशन पूर्ण हो जाएगी। प्रदेश मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने इसके लिए हाल ही में पांच करोड़ रुपए का बजट अस्पताल प्रशासन को उपलब्ध करवा लिया है।

बता दें कि अब जल्द ही इसका शिलान्यास भी कर लिया जाएगा, जिसके तुरंत बाद ही भवन का निर्माण कार्य भी शुरू करवा लिया जाएगा। इसके साथ-साथ पैट स्कैन मशीन की खरीद के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

Honda ने लांच किया नया Activa 125 H-Smart, जानें कीमत और फीचर्स

नई दिल्ली। दोपहिया वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने आज नए ओबीडी2 अनुपालन के अनुरूप नया एक्टिवा 125 लांच करने की घोषणा की जिसकी दिल्ली में शुरूआती एक्स शोरूम कीमत 78920 रुपए है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि एच-स्मार्ट वेरिएन्ट से युक्त ओबीडी 2 वाला एक्टिवा 125 लांच किया गया है। इस नए मॉडल में आधुनिक तकनीक के द्वारा सुनिश्चित किया है कि उपभोक्ता नए नियमों के अनुसार राइड का सहज एवं निर्बाध अनुभव पा सकें।

कंपनी का कहना है कि नया ओबीडी2 कम्प्लायन्ट एक्टिवा 125 होंडा के भरोसेमंद 125 सीसी पीजीएम एफआई इंजन के साथ आता है, जो एन्हान्स्ड स्मार्ट पावर से युक्त है। परिष्कृत, सटीक एवं संवेदनशील एन्हान्स्ड स्मार्ट पावर भारत को विश्वस्तरीय मानकों के समकक्ष लेकर आती है। यह इंजन के लिए परफोर्मेन्स एक्सेलरेटर टेक्नोलॉजी प्रभावी कम्बशन को अधिकतम और फ्रिक्शन को कम कर एनर्जी आउटपुट को अनुकूलित करती है तथा साइलेन्ट स्टार्ट के साथ इंजन को पर्यावरण के अनुकूल बनाती है। एन्हान्स्ड स्मार्ट पावर इंजन को बिना झटके के स्टार्ट करता है। इसमें एक ही एसी जनरेटर का उपयोग करेंट जनरेट करने और राइडिंग के दौरान बैटरी को चार्ज करने के लिए किया जाता है। इसे पारम्परिक स्टार्टर मोटर की ज़रूरत नहीं होती, इस प्रकार गियर बदलते समय कोई शोर नहीं होता। दो मैकेनिकल फीचर्स के साथ इंजन बड़ी आसानी से स्टार्ट हो जाता है- पहला हल्के खुले एक्ज़हॉस्ट वॉल्व (कम्प्रेशन स्ट्रोक की शुरूआत में) के साथ डीकम्प्रेशन का प्रभावी उपयोग और इसके बाद स्विंग बैक फीचर जो इंजन को हल्के से उल्टी दिशा में रोटेट करता है, जिससे पिस्टन 'रनिंग स्टार्ट' लेता है, और कम पावर से भी इंजन को स्टार्ट करना आसान हो जाता है।

स्टार्ट सोलेनॉयड ऑटोमेटिक चोक सिस्टम की तरह काम करता है यह एयर फ्यूल मिक्सचर के साथ सुनिश्चित करता है कि किसी भी समय एक ही बार में इंजन आसानी से स्टार्ट हो जाए। प्रोग्राम्ड फ्यूल इंजेक्शन (पीजीएम-एफआई) विशेष इंजन डेटा और 6 इंटेलीजेन्ट सेंसर्स से मिले फीडबैक के आधार पर सिलिंडर में सही मात्रा में ईंधन को इंजेक्ट करता है। जिससे पूरी राईड के दौरान स्मूद और लिनियर पावर आउटपुट मिलता है।

रोहित के बाद हार्दिक पांड्या कप्तान; गांगुली का दावा; टेस्ट में वापसी कर लें

नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्ड कप 2021 से लेकर अभी तक भारतीय क्रिकेट में कई बदलाव हुए। रोहित शर्मा को पहले टीम इंडिया का टी-20 कप्तान बनाया गया, फिर वनडे की कप्तानी दी गई और फिर तीनों फॉर्मेट में हिटमैन ही कप्तान बन गए। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि रोहित के बाद भारतीय टीम की कमान कौन संभालेगा? इसको लेकर भारत ने केएल राहुल, ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या को आजमाया है। बुमराह और पंत तो चोटों के चलते क्रिकेट से दूर ही चल रहे हैं। केएल राहुल की फॉर्म ने उनसे टेस्ट की उप-कप्तानी भी छीन ली।

अब ऐसे में गांगुली का मानना है कि आने वाले समय में हार्दिक ही टीम इंडिया की कमान संभाल सकते हैं। गांगुली ने कहा, आईपीएल सीखने के लिए बहुत अच्छा प्लैटफॉर्म है और हम हार्दिक पांड्या की अगवाई का कमाल वहां देख चुके हैं। आईपीएल 2022 में उसकी कप्तानी में गुजरात टाइटंस चैंपियन बना। सबने देखा उसने किस तरह से कप्तानी की और यही वजह है कि उसे टी-20 इंटरनेशनल में टीम इंडिया की अगवाई का मौका मिला। पांड्या फिलहाल लिमिटेड ओवर फॉर्मेट में खेल रहे हैं, जब उनसे टेस्ट टीम में वापसी को लेकर सवाल किया गया था, तो उन्होंने कहा था कि वह इसको लेकर जल्दबाजी नहीं करेंगे। गांगुली का मानना है कि हार्दिक अगर टेस्ट टीम में वापसी कर लेते हैं, तो वह भारतीय टीम के लिए किसी खजाने से कम नहीं होगा।

आईसीसी ट्रॉफी जीतने के लिए आक्रामक होकर खेलो

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम को पिछले दस सालों से आईसीसी ट्रॉफी का इंतजार है। 2013 में आखिरी बार भारत ने चैंपियन ट्रॉफी के रूप में आईसीसी ट्रॉफी जीती थी। टीम द्विपक्षीय सीरीज में तो लगातार अच्छा कर रही है। दुनिया की टॉप टीम में शामिल है, लेकिन आईसीसी को जीत नहीं पा रही। ज्यादातर मौकों पर नॉकआउट राउंड में हारकर बाहर हो गई। टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का इसपर कहना है कि भारत के पास वो टेलेंट है, जो टीम को ट्रॉफी जीता सकते हैं। सौरव गांगुली का कहना है कि भारत के पास टेलेंट की कोई कमी नहीं है। मसला ये है कि हम तैयारी कैसी करते हैं। उन्होंने कहा, भारत को आक्रामक होकर खेलना होगा, खासकर टी-20 में।

सीरीज गंवा तीसरा टी-20 जीता पाक, अफगानिस्तान को 66 रन से मात, मोहम्मद नबी प्लेयर ऑफ दि सीरीज

शारजाह। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच यूएई के शारजाह में खेले गए तीसरे और आखिरी टी-20 में आखिरकार पाकिस्तान को जीत मिल ही गई। पकितस्तान ने अफगानिस्तान को 66 रन से हराया। टॉस अफगानिस्तान ने जीता और फील्डिंग चुनी। पहले बल्लेबाजी करने 20 ओवर में सात विकेट खो कर 182 रन बनाए। जवाब में अफगानिस्तान 116 रन पर ही ऑलआउट हो गया। हालांकि अफगानिस्तान ने सीरीज पर कब्जा जमाया और मोहम्मद नबी ऑफ़ प्लेयर ऑफ दि सीरीज चुना गया। पाकिस्तान के कप्तान शादाब शान ने अपने 87 वें मैच में 100 टी-20 विकेट पूरे करने वाले पहले पाकिस्तानी और कुल मिलाकर सातवें गेंदबाज बन गए। उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन विकेट झटके।

राशिद खान की लगातार फेंकी 100 गेंदों में नहीं लगी कोई बाउंड्री

अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने टी-20 इंटरनेशनल में एक खास रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. पाकिस्तान के खिलाफ खेली गई तीन मैचों की टी-20 सीरीज़ में राशिद खाने ने अफगानिस्तान की कमान संभाली और अपनी कप्तानी में टीम को 2-1 विजयी बनाया। इस सीरीज़ के ज़रिए राशिद ने एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज कराया। दरअसल, उन्होंने इस सीरीज़ के ज़रिए टी-20 इंटरनेशनल में 100 से अधिक लगातार ऐसी गेंदें पूरी की, जिन पर कोई बाउंड्री नहीं लगी।

अतंरराष्ट्रीय

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के अध्यक्ष इमरान खान को चहुंओर घेरने की तैयारी 29 केस दर्ज

इस्लामाबाद। पाक के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के अध्यक्ष इमरान खान के खिलाफ घेराबंदी तेज हो गई है।

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ही उनके खिलाफ 29 केस दर्ज किए गए हैं। यह खुलासा चीफ जस्टिस आमिर फारूक के आदेश पर इस्लामाबाद हाई कोर्ट में सौंपी गई एक विस्तृत रिपोर्ट में हुआ है। सोमवार को इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि मंगलवार तक संघीय राजधानी क्षेत्र में पीटीआई अध्यक्ष इमरान खान के खिलाफ दर्ज मामलों का विवरण प्रदान करें। यह आदेश मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक ने एक याचिका पर पारित किया था, जिसमें खान ने अपने खिलाफ दर्ज मामलों की जानकारी देने का अनुरोध किया था। पाकिस्तान सरकार ने एक और झटका देते हुए इस्लामाबाद में रैली सभाओं के लाइव कवरेज पर रोक लिया है। इमरान खान की न्यायिक कोशिशों और अदालती पेशी से पहले पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया रेगुलेटरी अथॉरिटी ने इस बारे में बड़ा फैसला लिया है।

म्यांमार के सागैंग क्षेत्र में विस्फोट, दो लोगों की मौत, 18 घायल,

नेपीडा। म्यांमार के सागैंग क्षेत्र में हुए दो विस्फोटों में दो लोगों की मौत हो गई और 18 अन्य घायल हो गए हैं। म्यांमार के आउटलेट इलेवन मीडिया ने बताया कि विस्फोट म्यांमार के सागैंग क्षेत्र के श्वेबो शहर में पहला धमाका चिंदविन नदी पर बने पुल पर और दूसरा शहर के उत्तर में एक सडक़ पर हुआ।

रिपोर्ट के मुताबिक विस्फोट में एक 60 वर्षीय व्यक्ति और एक तीन वर्षीय ब'चा गंभीर रूप से घायल हो गया और अस्पताल में इनकी मौत हो गई। विस्फोटों में नौ पुरुष, एक 12 वर्षीय लडक़ा और आठ महिलाएं घायल हो गईं, जिनमें से पांच की हालत गंभीर है।

रिपोर्ट के मुताबिक सभी पीड़ित स्थानीय निवासी थे। सरकार ने कहा कि विस्फोट आतंकवादियों द्वारा तैयार और संचालित किए गए थे। उल्लेखनीय फरवरी 2021 में म्यांमार में सेना सत्ता में आई। सैन्य शासन और पुलिस द्वारा शांतिपूर्ण प्रदर्शनों पर क्रूर कार्रवाई के बाद विपक्ष ने सशस्त्र संघर्ष का सहारा लिया। तब से देश के कुछ क्षेत्रों में सडक़ों पर लगाए गए बारूदी सुरंगों के विस्फोट एक नियमित घटना बन गए हैं। म्यांमार की सैन्य सरकार के प्रमुख ने सोमवार को कहा कि शांति और स्थिरता बहाल करना सशस्त्र बलों का मुख्य लक्ष्य है और एक नागरिक सरकार को सत्ता हस्तांतरित करने की मुख्य शर्त है।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव: 10 मई को मतदान और 13 मई को मतगणना

नई दिल्ली, (भाषा)। निर्वाचन आयोग ने बुधवार को घोषणा की कि कर्नाटक में विधानसभा चुनाव 10 मई को एक ही चरण में होंगे और परिणाम 13 मई को घोषित किए जाएंगे। इस घोषणा के साथ ही अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले दक्षिण के इस राज्य में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और मुख्य प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के बीच चुनावी जंग का बिगुल बज गया है। जनता दल (सेक्युलर) राज्य में तीसरी प्रमुख पार्टी है।

कर्नाटक में 224 सदस्ईय विधानसभा है। वर्तमान में भाजपा के पास 119 सीटें हैं जबकि कांग्रेस के पास 75 सीटें हैं। जद (एस) के पास 28 विधायक हैं, जबकि दो सीटें खाली हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव के लिए अधिसूचना 13 अप्रैल को जारी की जाएगी और नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 20 अप्रैल होगी। कुमार ने कहा कि नामांकन पत्रों की जांच 21 अप्रैल को होगी और नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 24 अप्रैल होगी। कुमार ने कहा कि मतदाताओं की अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए मतदान के लिए बुधवार को चुना गया है, न कि सोमवार या शुक्रवार को। उन्होंने तर्क दिया, लोग एक दिन की छुट्टी ले सकते हैं और एक लंबा सप्ताहांत कर सकते हैं। लेकिन बुधवार को मतदान कराने से यह संभावना कम हो गई है। उन्होंने कहा कि यह कदम अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने और मतदान केंद्रों पर जाने में मतदाताओं की उदासीनता पर अंकुश लगाने के चुनाव आयोग के प्रयास का हिस्सा है।

सत्तारूढ़ भाजपा और कांग्रेस ने पहले ही चुनाव के लिए जोरशोर से प्रचार अभियान शुरू कर दिया है। चुनाव की घोषणा के साथ ही बुधवार को आदर्श आचार संहिता लागू हो गई। लेकिन कुमार ने कहा कि आचार संहिता लागू होने से पहले ही आयोग के निर्देशों पर प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा कड़ी निगरानी सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने बताया कि अब तक 80 करोड़ रुपए से अधिक की राशि जब्त की जा चुकी है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि विधानसभा चुनावों में शामिल होने और भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कर्नाटक में पात्र विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूहों का 100 प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित किया जा रहा है।

छोटी खबरें

गुजरात में सरकारी, अनुदान प्राप्त स्कूलों में शिक्षकों, प्रधानाचार्यों के 32,000 से अधिक पद खाली : मंत्री

गांधीनगर, (भाषा)। गुजरात में सरकारी, अनुदान प्राप्त प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्कूलों में शिक्षकों एवं प्रधानाचार्यों के 32,000 से अधिक पद खाली हैं। विधानसभा को बुधवार को इस बारे में सूचित किया गया। प्रश्न काल के दौरान कांग्रेस विधायकों द्वारा शिक्षा परिदृश्य को लेकर कई सवाल उठाए जाने पर इसके जवाब में शिक्षा मंत्री कुबेर डींडोर ने विधानसभा को सूचित किया कि दिसंबर 2022 तक राज्य भर में सरकारी के साथ साथ सरकारी सहायता प्राप्त गुजराती एवं अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों शिक्षकों के 29,122 पद और प्रधानाचार्यों के 3,552 पद खाली हैं। आंकड़ों के ताजा विश्लेषण में बताया गया है कि 32,674 खाली पदों में सरकारी स्कूलों में 20,678 पद जबकि अनुदान प्राप्त स्कूलों में शिक्षकों एवं प्रधानाचार्यों के 11,996 पद खाली हैं। सरकारी प्राथमिक शिक्षकों के कुल 17,500 से अधिक पद रिक्त हैं। अकेले कच्छ जिले में।,507 रिक्तियां हैं, इसके बाद आदिवासी बहुल दाहोद में।,152, बनासकांठा में 869, राजकोट में 724 और महिसागर जिले में 692 रिक्तियां हैं। आंकड़ों से यह भी पता चला है कि गुजरात के 33 में से 14 जिलों में एक भी सरकारी अंग्रेजी माध्यम स्कूल नहीं है और एक भी जिले में कक्षा नौ और 10 के लिए सरकार द्वारा संचालित अंग्रेजी माध्यम का माध्यमिक स्कूल नहीं है। इसी तरह, कक्षा 11 और 12 के लिए राज्य सरकार का कोई भी अंग्रेजी माध्यम का उच्च माध्यमिक विद्यालय नहीं है, जबकि 31 जिलों में एक भी अनुदान प्राप्त अंग्रेजी माध्यम प्राथमिक विद्यालय नहीं है।

बिजली चोरी के मामले में एसडीओ और जेई निलंबित

जांच का दायरा बढ़ने से कई अधिकारियों पर गिर सकती है गाज

नोएडा। मेरठ की संयुक्त विजलेंस टीम की तरफ पकड़े गए बिजली चोरी के मामले में सांठ गांठ में शामिल रहने पर विद्युत निगम ने एसडीओ व जेई को मंगलवार को निलंबित कर दिया है। पिछले बृहस्पतिवार को छलेरा में चार स्थानों पर अवैध तरीके से ई- रिक्शा व बैटरी चार्जिंग के मामले सामने आए थे।इसमें डेढ़ करोड़ की बिजली चोरी पकड़ी गई थी, जिसमें जांच के बाद कार्रवाई शुरू की गई है।

क्षेत्र के एसडीओ बृजमोहन सोनी और जेई मोहन स्वरूप को निलंबित करते हुए सहारनपुर से अटैच कर दिया गया है। प्रकरण में जांच का दायरा बढने पर कुछ और अधिकारियों पर कार्रवाई की संभावना है। गुप्त सूचना के आधार पर मेरठ से आई टीम ने रात में करीब ढाई बजे सेक्टर-44 छलेरा में पुष्पा देवी के नौ किलोवाट के वाणिज्यिक कनेक्शन की जांच की, जिसमें मीटर से अलग एलटी डली मिली।

चोरी की बिजली से ई-रिक्शा की बैटरी हो रही थी चार्ज

इससे 28 ई-रिक्शा व 21 अलग-अलग साइज की बैट्री चोरी की बिजली से चार्ज होती मिली। इस परिसर में 57 किलोवाट की बिजली चोरी मिली , जिसपर 60-70 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। छलेरा में ही शीला देवी के चार किलोवाट के वाणिज्यिक कनेक्शन पर भी एलटी लाइन डालकर ई-रिक्शा चार्ज हो रहा था। 19 ई-रिक्शा चार्ज होते मिले। परिसर में 14 किलोवाट की बिजली चोरी होती मिली। इसके अलावा एक डाक्टर के घर भी करीब 40 लाख रुपये की बिजली चोरी पकड़ी गई व सेक्टर-45 सदरपुर में नवीन के ई-रिक्शा चार्जिंग स्टेशन पर दो मीटर संदिग्ध मिले थे।

स्वार और छानबे विधानसभा सीटों के उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित, 10 मई को होगा मतदान

लखनऊ, (भाषा)। निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश की स्वार और छानबे विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का कार्यक्रम बुधवार को घोषित कर दिया। इन सीटों के लिए आगामी 10 मई को मतदान होगा। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के मुताबिक, स्वार और छानबे विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए अधिसूचना आगामी 13 अप्रैल को जारी होगी और 20 अप्रैल तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। अगले दिन नामांकन पत्रों की जांच होगी और 24 अप्रैल तक नाम वापस लिए जा सकेंगे।

उन्होंने बताया कि दोनों सीटों पर उपचुनाव के तहत मतदान 10 मई को होगा जबकि मतगणना 13 मई को की जाएगी। गौरतलब है कि रामपुर जिले की स्वार सीट समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान के बेटे अब्दुल्लाह आजम खान को अयोग्य ठहराए जाने की वजह से खाली हुई है। अदालत ने जनवरी 2008 में अवैध रूप से राजमार्ग जाम कर धरना प्रदर्शन करने के मामले में अब्दुल्लाह को दो साल की सजा सुनाई थी जिसके बाद उनकी विधानसभा की सदस्यता समाप्त हो गई थी। दूसरी ओर, छानबे विधानसभा सीट भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सहयोगी अपना दल (सोनेलाल) के विधायक राहुल प्रकाश कोल के निधन के कारण रिक्त हुई है।

श्री देवकीनंदन ठाकुर की भोपाल में 2 से 8 अप्रैल तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

भोपाल। देश और दुनिया के ख्याति प्राप्त कथावाचक श्री देवकीनंदन ठाकुर की राजधानी भोपाल में दो से आठ अप्रैल तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। श्रीमद् भागवत कथा आयोजन के संयोजक प्रदेश भाजपा के मंत्री राहुल कोठारी ने आज यहां पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन भोपाल के टी टी नगर दशहरा मैदान में दो से आठ अप्रैल तक किया जाएगा, जिसको लेकर तैयारियों की जा रही हैं। श्री कोठारी ने बताया कि कथा के लिए श्री देवकीनंदन ठाकुर 2 अप्रैल को भोपाल में पधार रहे हैं। भारत की गौरवमयी सांस्कृतिक परंपरा के ध्वजवाहक श्री देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज के मुखारविंद से यह श्रीमद् भागवत कथा की जाएगी। भारत की सनातन संस्कृति एवं युवाओं के उत्थान के लिए श्री ठाकुर जी द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं, जैसे कि तुलसी की कंठीमाला, हाथ में कलावा आदि के माध्यम से युवाओं एवं परिवारों में सभी सदस्यों के प्रेरक बने हुए हैं,

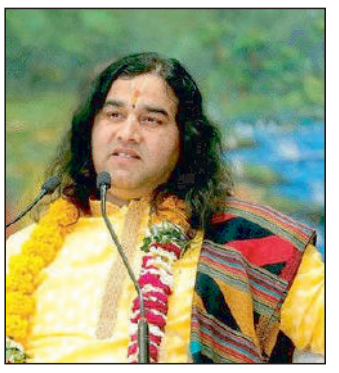

श्री ठाकुर जी महाराज आज देश में अनेक कथाकारों के प्रेरणास्त्रोत बने हुए हैं। उन्होंने बताया कि श्री ठाकुर जी महाराज दो दर्जन से अधिक देशों में अपनी ओजस्वी वाणी से कथा कर चुके हैं। आगामी मई 2023 में पुनः विदेश में कथा वाचन के लिए जा रहे हैं। महाराज जी ने वृन्दावन में प्रियकांत जू मंदिर की स्थापना 2016 में की हैं, जो कि वृन्दावन के प्रमुख पर्यटक स्थलों में से एक हैं। श्री महाराज जी द्वारा 125 अनाथ बच्चियों का विवाह कराया गया हैं।

राहुल को अयोग्य ठहराए जाने के मामले पर नहीं करूंगा कोई टिप्पणी : नीतीश

पटना, (भाषा)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराए जाने पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए बुधवार को कहा कि वह अदालत के आदेश से जुड़े मामलों में ऐसा करने से बचते हैं। हालांकि, नीतीश कुमार ने कहा कि उनकी पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) ने इस मुद्दे पर टिप्पणी की है।

नीतीश कुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा कि मौजूदा समय में विपक्ष को एकजुट करने की जरुरत है और वह मुद्दे को लेकर कांग्रेस के आगे बढने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस तर्क की खिल्ली उड़ाई कि भ्रष्टाचारी हाथ मिला रहे हैं। नीतीश कुमार ने मोदी की आलोचना करते हुए कहा, बातें करते रहना उनकी (मोदी की) आदत है। ए लोग केवल

आत्म-प्रशंसा में विश्वास रखते हैं। वे दूसरों के बारे में अच्छा नहीं बोल सकते। हम अपना काम करते हैं लेकिन दूसरों के अच्छे काम की सराहना भी करते हैं। केंद्र में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई के शासनकाल के दौरान जो कुछ हासिल हुआ था, वह मुझे हमेशा याद रहा है।

गौरतलब है कि नीतीश कुमार वाजपेई के कार्यकाल के दौरान केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल रहे थे। उन्होंने मोदी पर यह कहते हुए कटाक्ष किया कि उन्हें भ्रष्टाचार पर बोलते समय एक रिकॉर्ड रखना चाहिए कि वह किस प्रकार के लोगों के साथ गठबंधन करते हैं। नीतीश कुमार ने बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों का जिक्र करते हुए कहा, अब जब मैंने तेजस्वी और उनकी पार्टी के साथ गठबंधन किया है तो उन्हें एक बार फिर उन मामलों में फंसाया जा रहा है, जिनमें जांचकर्ता बीते वर्षों में कोई साक्ष्य नहीं जुटा सके हैं।

अखिल भारतीय सनातन परिषद् की एक महत्वपूर्ण बैठक जगजीतपुर स्थित बाला जी मन्दिर में हुई सम्पन्न

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। अखिल भारतीय सनातन परिषद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने वाली विश्व की एकमात्र संस्था जो सनातनियों को एकजुट एवं एक विचार मंच में संगठित करने का प्रयास कर रही है अखिल भारतीय सनातन परिषद् का गठन श्रीमहंत रविंद्रपुरी अध्यक्ष अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद् एवं अध्यक्ष माँ मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के द्वारा किया गया है। बुधवार को अखिल भारतीय सनातन परिषद् की एक महत्वपूर्ण बैठक जगजीतपुर स्थित बाला जी मन्दिर के प्रांगण में स्वामी आलोक गिरी के स्थान पर सम्पन्न हुई। बैठक में अखिल भारतीय सनातन परिषद् के अन्तराष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार बत्रा ने सनातन के सम्बन्ध में विस्तार से चर्चा की उन्होंने कहा कि सनातन परिषद् में जाति, पाति का कोई स्थान नहीं है हमें हमारी संस्कृति, आचार विचार, वेद उपनिषदों, पुराणों के बारे में प्रत्येक सनातनी हिंदू को जानकारी होनी आवश्यक है। हमें अपने त्योहारों को उत्सवों के रुप मनाना चाहिए। डॉ. बत्रा ने कहा कि सनातन धर्म विश्व का प्राचीनतम धर्म है इसका कोई आदि नहीं, कोई अन्त नहीं सनातन है सदैव के लिए।

इस अवसर पर संगठन के विस्तार के लिए चर्चा हुई तथा प्रदेश संगठन को मजबूत करने के लिए विचार विमर्श किया गया। उत्तराखंड के परिषद् प्रदेश अध्यक्ष दिनेश शर्मा ने आज आयोजित प्रथम बैठक में संगठन को मजबूत करने के लिए सभी सदस्यों से विचार विमर्श लिया। इस अवसर पर अखिल भारतीय सनातन परिषद के संस्थापक अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्र पुरी के निर्देशानुसार अखिल भारतीय सनातन परिषद के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश कुमार शर्मा ने सुधांशु वत्स को प्रदेश संगठन महामंत्री के पद पर नियुक्ति पत्र प्रदान किया।

प्रदेश संयोजक डॉ. विशाल गर्ग ने प्रदेश स्तर पर सदस्यता अभियान चलाने पर जोर दिया। स्वामी सतीश वन ने उत्तराखण्ड राज्य के सभी जिलों में सदस्यता अभियान चलाने एवं जिला स्तर पर कार्यकारिणी के गठन पर जोर दिया। आज की बैठक की शुरुआत करते हुए महामंत्री पुरषोत्तम शर्मा ने सभी को एजेण्डा से अवगत कराया।

इस अवसर पर परिषद् के अन्तर्राष्ट्रीय पदाधिकारी व प्रदेश के पदाधिकारियों ने इस बैठक में प्रतिभाग किया। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी संगठन को मजबूत करने के लिए भी जोर दिया गया। बैठक में प्रचार प्रसार प्रवक्ता स्वामी सतीश वन, स्वामी रघुवन, स्वामी आलोक गिरी, प्रोफेसर डॉ. सुनील बत्रा, अविकसित रमन, अन्तराष्ट्रीय उपाध्यक्ष, पुरुषोत्तम शर्मा अंतरराष्ट्रीय महामंत्री राष्ट्रीय संगठन मंत्री दिगंबर राजगिरी के समक्ष प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा भी की गई। दिनेश कुमार शर्मा प्रदेश अध्यक्ष, विशाल गर्ग प्रदेश संयोजक, सुधांशु वत्स प्रदेश संगठन महामंत्री, भोला शर्मा संगठन प्रदेश सह सचिव, विशाल राठौर प्रदेश सचिव, राजवीर सिंह राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, अनिल शर्मा कानूनी सलाहकार, पंडित शिव नारायण शर्मा, राखी सजवान, अनिल मिश्रा, सुधांशु जोशी, कुलदीप अरोड़ा को सनातन सदस्य बनाया गया। इस अवसर पर कार्यालय प्रभारी किरणदीप कौर अनीता राजपूत आदि भी बैठक में मौजूद रहे।

श्रीराम कथा को आत्मसात से जीवन में परिवर्तन संभवः स्वामी हरिदास

गौरव कुमार,उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार । कथा व्यास स्वामी हरिदास महाराज ने कहा कि रामकथा को आत्मसात करने से ही मनुष्य के जीवन में परिवर्तन संभव है। केवल कथा के श्रवणमात्र से ही मनुष्य का भला नहीं होने वाला है। भगवान राम के चरित्र को अपनाकर यह मनुष्य अपना जीवन सफल बना सकता है।

हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में श्री बालाजी धाम सिद्धबलि हनुमान नर्मदेश्वर महादेव मंदिर के प्रांगण में निरंजनी अखाड़े के स्वामी आलोक गिरी महाराज की प्रेरणा और महंत केदार गिरी महाराज के सानिध्य में संगीतमय श्रीरामचरित मानस कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। श्रीरामचरित मानस कथा के दूसरे दिन कथा व्यास हरिदास महाराज ने भगवान शिव और माता सती के चरित का सुंदर वर्णन किया। उन्होंने कहा कि माता सती ने अपने पति की अवज्ञा की परिणाम स्वरूप उन्हें अपने जीवन से हाथ धोना पड़ा। ऐसे में स्त्रियों को सदैव अपने पति की बात माननी चाहिए। बाबा हरिदास महाराज ने कहा कि भगवान राम असाधारण व्यक्तित्व के स्वामी थे। उनके मनुष्य चरित्र को समझने में माता सती से भूल हो गई। उनके लीला को देखकर माता सती को भी मोह उत्पन्न हुआ। ऐसे में साधारण मनुष्य भी भगवान राम को ना समझ सके तो इसमें आश्चर्य क्या है। भगवान राम को जानने और समझने के लिए गुरु की नितांत आवश्यकता है। गुरु वचनों पर विश्वास करने वाला ही भगवान राम को पा सकेगा। उन्होंने कहा कि रामचरितमानस में भगवान शंकर को गुरु माना है और गुरु की अवज्ञा करने के कारण ही माता सती को अपने जीवन से हाथ धोना पड़ा था। हरिदास महाराज ने कहा कि कथाओं के मर्म को समझना होगा। कथाओं को व्यक्तिगत जीवन में जोड़ने से ही जीवन परिवर्तन संभव होगा। राम कथा में स्वामी आलोक गिरी , पुजारी मनकामेश्वर गिरी, शंकर गिरी, कामेश्वर यादव, ओमप्रकाश मलिक ईशान नंदवाणी, पंडित सोहन चंद डोंडरियाल, विशाल भाटिया, रमेश सेमवाल, पुनीत चौधरी, नितिन चौधरी, अमित कश्यप, कृष्णा प्रजापति, कार्तिक राजपूत, राहुल शर्मा, राहुल कश्यप, पंडित विनय मिश्रा,विकास मास्टर, संजय चौधरी, कालका प्रसाद कोठारी जगमोहन नेहिल चंद्र प्रकाश रमेश रावत, राजबाला देवी, सुरेखा देवी, सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

हरिद्वार में बुधवार को मां दुर्गा अष्टमी का त्योहार धूमधाम से मनाया गया

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। लोगों ने मंदिरों में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करते हुए घरों में कन्याओं का भोजन करवाया। श्रद्धालुओं ने कंजकों को हलवा-पुड़ी, खीर छोले का प्रसाद खिलाते हुए उपहार भी दिए। हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर, चण्डी देवी मंदिर, माया देवी मंदिर, सुरेश्वरी देवी मंदिर, शीतला माता मंदिर सहित विभिन मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही।

मंदिरों के बाहर प्रसाद व चुनरी की दुकानों पर भी भीड़ रही। मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। भक्तों ने ज्योति लेकर प्रसाद श्रृंगार की वस्तुएं मां के चरणों में अर्पित की, साथ ही आरती कर सदा आशीर्वाद बनाए रखने की प्रार्थना की। अष्टमी की पूजा करने वाले भक्तों ने नवरात्र का व्रत खोल प्रसाद ग्रहण किया। वहीं घरों में मीठे व्यंजन भी बनाए गए। मनसा देवी मंदिर के पुजारी पंडित गणेश शर्मा ने बताया कि दुर्गा अष्टमी का त्योहार भक्तों ने उत्साह के साथ मनाया।

सुबह चार बजे से ही मंदिरों में भक्तों की भीड़ शुरू हो गई थी, जो सुबह नौ बजे तक रही। इसके बाद भक्तों ने घरों में जाकर माता की पूजा करते हुए प्रसाद तैयार किया और कन्याओं का पूजन करते हुए भोजन करवाया। उन्होंने बताया कि नवरात्र पर्व का विशेष महत्व है।

नवरात्र में मां की भक्ति करने वाले भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। उन्होंने बताया कि गुरुवार को नवमी का त्योहार मनाया जाएगा।

दुर्गा अष्टमी पर मां चंडी देवी मंदिर में किया गया माता का भव्य श्रृंगार

अनंत लोको को पवित्र करने वाली है मां भगवती की आराधनाः महंत रोहित गिरी

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। नील पर्वत स्थित सिद्धस्थल मां चंडी देवी मंदिर में दुर्गाअष्टमी के अवसर पर मां चंडी देवी का भव्य श्रृंगार किया गया। महंत रोहित गिरी महाराज ने मां चंडी देवी की आरती एवं हवन यज्ञ कर विश्व कल्याण की कामना की। इस दौरान उन्होंने मंदिर प्रांगण में श्रद्धालु भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि नवरात्र साधना के दौरान साधक में उत्तम चरित्र का निर्माण होता है और वह अपने जीवन को सबल बनाकर अपने मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करता है। मां भगवती की आराधना अनंत लोको को पवित्र करने वाली है जिनके दर्शन मात्र से ही व्यक्ति का जीवन भवसागर से पार हो जाता है।

उन्होंने कहा कि मां चंडी देवी अत्यंत दयावान और करुणा का सागर है जो दीन दुखी मां के दरबार में आ जाता है। मां उसके सभी कष्टों का निवारण कर उन्हें सुख समृद्धि प्रदान करती है। महंत रोहित गिरी महाराज ने कहा कि कन्या स्वरूप बालिकाओं का संरक्षण, संवर्धन कर उन्हें शिक्षावान बनाना चाहिए। ताकि समाज से बेटा बेटी का भेदभाव खत्म हो और एक सशक्त समाज का निर्माण हो। विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर हो रहे भारत की बेटियां आज हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर रही है जो भारत के लिए गर्व की बात है। महिलाओं की भागीदारी के बिना समाज का प्रत्येक वर्ग अधूरा है। इसलिए सभी को महिलाओं का सम्मान करना चाहिए और यही नवरात्र में सभी का संकल्प होना चाहिए।

मां, बेटी, बहन के बिना मानव जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। कन्याओं का पूजन करने से देवी मां अत्यंत प्रसन्न होती है। इसलिए सभी को श्रद्धा पूर्वक नवरात्रि के दौरान माता के साथ-साथ बालिकाओं का पूजन अवश्य करना चाहिए। इस अवसर पर पंडित पंकज रतूड़ी, पंडित देशवाल शास्त्री, पंडित राजेश कुकशाल, पंडित नवल किशोर, पंडित अमित बेलवाल, पंडित रोहित डबराल, पंडित मनमोहन कंडवाल, विशाल कश्यप, सुनील कश्यप, मोहित राठौर, पंडित बैजनाथ भट्ट, अवनीश त्रिपाठी, त्रिलोक शर्मा सहित अनेक श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक/संपादक- विकास गर्ग ने भगवती प्रिंटिंग प्रेस, इंडस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार उत्तराखंड से मुद्रित करवाकर 54 आवास विकास, विवेक विहार, रानीपुर मोड़, हरिद्वार उत्तराखंड से प्रकाशित किया।
प्रकाशक / संपादक: विकास गर्ग- फोन : 9897766448, : मुख्य संपादक / सुमित तिवारी- फोन : 8077771906: Email : uttarakhandprahari19@Gmail.com